NAV BHARAT JAGRITI KENDRA

NBJK

नव भारत जागृति केन्द्र

News Letter

सूचना पत्र

January - March, 2015 www.nbjk.org जनवरी - मार्च, 2015

Support for Small Initiatives: A Program with Difference

Voluntary sector has added a lot positive to people's life worldwide and placed an alternate model of development that is pro people, near to nature and cares for democratic spirit. Much proclaimed ideas like microcredit, SHGs, watershed, NREGA, right to information / education etc. have been emerged from here only and now followed by the government also. As a leading NGO of Jharkhand and Bihar, Nav Bharat Jagriti Kendra finds an important role to nurture such innovative process and strengthening of people involved in this sector.

As NBJK itself was not born suddenly but as a well thought concept of realizing people's empowerment and addressing the issues vital for a decentralized democratic process. It accepted the challenges of initiating, self making and being with support of well-wishers and donor agencies those trusted it to deliver outcomes. The time of struggle as a novice and such sensible support is like learning for NBJK that inspired it to continue the chain of capacity building for committed social workers, women led action groups and newly formed VOs as ***Support for Small Initiatives***. This support has enabled around 500 VOs of Jharkhand / Bihar to form a network of Swaichhik Manch, ensured capacity building training to more than 300 organizations and self-sustainability for about 50 such partners those valued the ideological strength and transformation of efforts in the format we call VOs that matters much for rural development by organizing people and filling the gaps in service delivery where government machinery is unable to reach.

There are a large number of individuals, groups or NGOs at villages or small places with objectives of rural development, people's empowerment, entitlements and their participation in the process but they lack proper guidance, skills and financial support to initiate towards such ideals. This leads to early end of young dreams and frustration among those who could have contributed to make lives of common people easier. NBJK has learnt to facilitate voluntary effort for a superior cause by own experience and included ***Support for Small Initiatives*** as one of its full fledged core programs.

As merely making organization is not enough and the whole framework needs a system to run, NBJK intervenes here to systematize VOs under the program. To fulfill legal obligations related to registration, foreign aid and tax exemption are always tough for any newly formed VO / NGO. If all formalities get completed, the organization needs a suitable work to be justified and looks for an office with minimum staffs or volunteers to begin actually in field. That office should be managed properly and the VO has to follow a documentation process continuously for regulatory bodies, supporters and community also. There are practices to ensure transparency, accountability and validity in the work of any VO that seeks to serve people. NBJK provides specialized training and financial support as fellowship for beginners. Every year 25-30 VOs are being supported by rotation for their sustainability purpose. They get exposure; attend workshops / seminars over issues and get inputs for resource mobilization. Action Village India (U.K.), Community Aid Abroad (Australia), Bread for the World (Germany), AVARD (New Delhi) are some reputed agencies which supported our stand upon strengthening of small voluntary effort and arranged funding for the purpose. This is a unique program by NBJK that has proved potentiality and needs stability in a larger interest. Apart from that, NBJK involves VOs in some of its other programs as local partners for real work experience and works as a mother NGO in the field.

छोटी पहल मदद कार्यक्रम : सिलसिला सहयोग का

विश्व के जनजीवन पर सकारात्मक प्रभाव डालने वाले विचारों के साथ जनोन्मुखी, पर्यावरण के अनुकूल और लोकतांत्रिक धारा के वैकल्पिक विकास मॉडलों की प्रस्तुति में स्वैच्छिक क्षेत्र की भूमिका अग्रणी रही है। आज सरकार द्वारा प्रोत्साहित और क्रियान्वित अनेक चर्चित कार्यक्रमों—माइक्रोक्रेडिट, स्वमदद समूह, जलछाजन, नरेगा, सूचना / शिक्षा का अधिकार आदि की उद्गम स्थली यही क्षेत्र रहा है। झारखण्ड और बिहार की एक प्रमुख स्वैच्छिक संस्था होने के नाते न०भा०जा० केन्द्र ने स्वैच्छिक क्षेत्र की नवाचारी प्रवृत्ति के प्रोत्साहन और इस महत्वपूर्ण कार्य में लगे लोगों के संरक्षण—क्षमतावर्धन का दायित्व उठाया है।

यूँ न०भा०जा० केन्द्र का प्रारंभ होना भी कोई संयोग नहीं था बल्कि यह पूरे सोच विचार के साथ धरातल पर उतारी गयी संकल्पना है, जिसका उद्देश्य लोक सशक्तिकरण और विकेन्द्रित लोकतंत्र के माध्यम से जन समस्याओं की समाधान प्रक्रिया में सहयोग देना है। इसने शुभचिंतकों और दाता संस्थाओं की मदद से पहल, स्वनिर्माण और अस्तित्वगत चुनौतियों को स्वीकारा और प्राप्त परिणामों से उनका विश्वास अर्जित किया। एक नवजात संस्था हेतु संघर्ष भरे दिनों में सहयोगी हाथों का आगे बढ़ना दरअसल एक सीख थी, जिसे न०भा०जा० केन्द्र ने **छोटी पहल मदद कार्यक्रम** के रूप में समर्पित सामाजिक कार्यकर्ताओं, महिला कार्य समूहों और नवगठित स्वयंसेवी संस्थाओं की क्षमता वृद्धि का एक सिलसिला बना दिया। इस सहयोग द्वारा झारखण्ड और बिहार की 500 संस्थाओं द्वारा स्वैच्छिक मंच का गठन किया गया, 300 से अधिक संस्थाओं को क्षमता वृद्धि प्रशिक्षणों / फेलोशिप से जोड़ा गया और लगभग 50 सक्षम संस्थाओं का विकास हुआ, जिन्होंने वैचारिक प्रतिबद्धता और संस्थागत कार्यशैली से होकर गुजरने वाले प्रयासों को सम्मान देते हुए जनसंगठन द्वारा ग्रामीण विकास तथा सरकारी कार्यक्रमों से वंचित दूरवर्ती क्षेत्रों में विकास सम्बन्धी गैरसरकारी प्रयासों से बदलाव का बिगुल फूंका है।

हमारे गाँवों—कस्बों में ऐसे लोग, समूह और संस्थाएँ हैं, जो समाज की बेहतरी, लोगों की हकदारी, उनके सशक्तिकरण और भागीदारी पर काम करना चाहते हैं। लेकिन उन्हें सही जानकारी, उचित मार्गदर्शन और आर्थिक सहायता नहीं मिल पाती है कि उस दिशा में आगे बढ़ा जाए। ऐसे सपनों का असमय अंत हो जाता है और दूसरों के बारे में सोचने वाले लोग निराश हो जाते हैं। न०भा०जा० केन्द्र ने अपने अनुभव से एक बेहतर उद्देश्य के साथ स्वैच्छिक प्रयासों की मदद को अपने मूल कार्यक्रमों में से एक का दर्जा दिया है।

सिर्फ संस्था बना लेना ही काफी नहीं होता, क्योंकि उसके मार्फत काम करने के लिए एक व्यवस्था का होना जरूरी है। **छोटी पहल मदद कार्यक्रम** के जरिये न०भा०जा० केन्द्र स्वैच्छिक संस्थाओं को एक व्यवस्था विकसित करने हेतु प्रोत्साहित करता है। किसी नवगठित संस्था हेतु निबंधन, विदेशी अनुदान, कर छूट जैसे कानूनी प्रावधानों को पूरा करना स्वाभाविक रूप से कठिन होता है। यदि इन अनिवार्यताओं को पूर्णतः / अंशतः पूरा कर भी लिया गया तो संस्था को सक्रिय रहने के लिए ढंग का कुछ काम चाहिए। उसे कार्यालय और कार्यकर्त्ता चाहिए ताकि जमीन पर कुछ काम हो। यदि कार्यालय खुला तो उसे प्रबंधित किया जाना जरूरी है। संस्थाओं को नियामकों, दाताओं और लाभुकों के लिए निरंतर दस्तावेजीकरण की जरूरत पड़ती है। जो संस्था सचमुच लोगों के लिए कुछ काम करना चाहती है, उसे अपनी पारदर्शिता, जिम्मेवारी और विश्वसनीयता प्रमाणित करने के लिए कुछ मानक दस्तूरों को पालन करना होता है। न०भा०जा० केन्द्र स्वैच्छिक क्षेत्र के नवागंतुकों को आसन्न चुनौती का सामना करने की हिम्मत देने के साथ समुचित प्रशिक्षण और बतौर फेलोशिप आर्थिक सहयोग भी देता है। प्रतिवर्ष 25–30 संस्थाओं को चक्रानुक्रम में मदद कर उन्हें सक्षम बनाने का प्रयास इसकी प्रतिबद्धता है। इससे उन्हें मुद्दा आधारित सेमिनार / कार्यशाला, प्रशिक्षण, परिभ्रमण जैसी गतिविधियों में शामिल होने का अवसर मिलता है और संसाधन जुटाने में सहूलियत होती है। एक्शन विलेज इंडिया (यू०के०), कम्युनिटी एड अब्रोड (ऑस्ट्रेलिया), ब्रेड फॉर दि वर्ल्ड (जर्मनी), एवार्ड (नयी दिल्ली) जैसी प्रतिष्ठित दाता संस्थाओं ने न०भा०जा० केन्द्र द्वारा स्वैच्छिक क्षेत्र को बेहतर बनाने सम्बन्धी प्रयासों का समर्थन किया है। इस अनूठे कार्यक्रम ने भली—भाँति अपनी उपयोगिता सिद्ध किया है, जिसका जारी रहना स्वैच्छिक क्षेत्र की गुणवत्ता और विकास के लिए जरूरी है। इसके अलावा एक मातृ संस्था के रूप में न०भा०जा० केन्द्र प्रोत्साहित संस्थाओं को अन्य कार्यक्रमों से जोड़कर उन्हें सम्मान सहित व्यावहारिक कार्यानुभव का मौका भी उपलब्ध कराता है।

Workshop on Fundraising

One day workshop on fundraising was held at NBJK, Ranchi with support of ***The Resource Alliance,*** New Delhi on 30 January. 22 NGOs of Jharkhand have shared the event as per initiative of NBJK through its network partnership. Mr. Satish Girija (Secretary, NBJK) has welcomed Maj. Gen. Surat Singh Sandhu (Chairman, TRA) and all member representatives from VOs. He praised Gen. Sandhu and ***The Resource Alliance*** for awareness building among NGOs over changing trends of philanthropy and social work across India. Mr. Satish has put a brief introduction of Gen. Sandhu with ***Helpage India***, the organization he headed and strengthened earlier by innovative fundraising initiatives. Maj. Gen. S. S. Sandhu said with Section 135 of the Companies Act 2013 getting effectively implemented from this year, more than 16000 corporates will have to dole out 2% of their profit towards corporate social responsibility (CSR). "It's going to be huge amount, somewhere around Rs. 20,000 crore and here lies an opportunity for the credible NGOs to take the money and help in nation building," he said. Due to dearth of such NGOs many corporate are setting up their own foundations but NGOs with lot of experience and community involvement have far more ability to assist corporate in delivering their CSR activities, opined the TRA Chairman during this workshop. He suggested the NGOs or VOs to come forward with suitable work model and communicate more like participation in events as India NGO Award with many more. Maj. Gen. Sandhu has stressed over the need of Fundraising organizations for resource mobilization as well as of grass root organizations to work with community deeply. The program was applauded widely by VOs in the state.

फंड रेजिंग पर कार्यशाला

30 जनवरी को **दि रिसोर्स अलायंस,** नई दिल्ली के सहयोग से न०मा०जा० केन्द्र, राँची द्वारा फंडरेजिंग पर एकदिवसीय कार्यशाला आयोजित की गई, जिसमें झारखण्ड से 22 स्वयंसेवी संस्थाओं की भागदारी रही। श्री सतीश गिरिजा (मंत्री, न०मा०जा० केन्द्र) ने दि रिसोर्स अलायंस के अध्यक्ष मेजर जनरल सूरत सिंह संधू तथा प्रतिभागी संस्था प्रतिनिधियों का स्वागत करते हुए दि रिसोर्स अलायंस, को भारत में लोकोपकार/समाज सेवा की बदलती प्रवृत्तियों पर जागरण का अग्रदूत कहा। श्री सतीश ने जनरल संधू का संक्षिप्त परिचय देते हुए उन्हें **हेल्पेज इंडिया** को ऊँचाई पर ले जाने वाला व्यक्तित्व बताया, जहाँ उन्होंने बतौर मुख्य कार्यकारी फंडरेजिंग के नये प्रयोग कर संस्था को सक्षम बनाया था। जनरल संधू ने कहा कि कंपनीज एक्ट 2013 के सेक्शन 135 के तहत 16000 से अधिक कंपनियों को अपने लाभ का 2% कॉरपोरेट सामाजिक दायित्व (सी०एस०आर०) पर खर्च करना है। लगभग 20 हजार करोड़ रुपयों की यह विशाल धनराशि विश्वसनीय संस्थाओं को अपने काम द्वारा राष्ट्र निर्माण में योगदान का अवसर देगी, ऐसा उनका मानना था। अच्छी संस्थाओं के अभाव में अनेक कंपनियों द्वारा ट्रस्ट/फाउंडेशन आदि बनाने का संज्ञान लेते हुए उन्होंने कहा कि जमीनी काम के अनुभव और समुदाय से जुड़ाव की वजह से सी.एस.आर. के काम में अन्य संस्थाओं का महत्व बना रहेगा। जनरल संधू ने संस्था प्रतिनिधियों को एक समुचित कार्यप्रणाली के साथ आगे आने और सक्रिय संवाद हेतु प्रेरित किया। इन्होंने जमीन पर क्रियान्वयन का काम करने वाली संस्थाओं की तरह सिर्फ फंडरेजिंग पर काम करने वाली संस्थाओं के विकास पर बल दिया। कार्यशाला में शामिल प्रतिनिधियों ने कार्यक्रम को उपयोगी बताया।

Livelihood Project launched at Khunti

An inclusive program on livelihood enhancement of 2500 households in 45 villages under Khunti district was initiated by NBJK with support of **SRTT, Mumbai** and **CInI-Jharkhand** began formally on 10 March through the project launching workshop held at CInI office, Khunti. The program was inaugurated by Mr. Edmond Minz (District Agriculture Officer, Khunti) who favored for team spirit and clear vision to make it a success. The DAO has welcomed NBJK supported farming on fallow land with cash crop like tomato, watermelon and assured for scheme based facilities to farmers. Er. Satish Girija (Founder & Secretary, NBJK) has established relevance of the program for Jharkhand where majority of people depend upon rain fed agriculture and migrate due to food insecurity. Improved agricultural practices and allied activities have enough potential to transform rural income pattern, he emphasized. Mr. Sirshendu Paul (Team Leader, Tata Trust-CInI Cell) has briefed about their activities and termed Khunti as a priority district to work with high focus, continuous funding and due commitment. Mr. Ayan Dev (Program Coordinator, Tata Trust-CInI Cell) has shared about achievements of prior work by NBJK-CInI that benefitted 2050 households with increased food security, cash crop farming, livestock rearing and more income. Mr. Ravish Chandra (District Soil Conservation Officer) has stressed over convergence of all related programs for good result. Ms. Sushma Lakra (BDO, Murhu), Ms. Rita Singh (JSLPS), Dr. S. K. Singh (Ex-Dean, BAU), Dr. R. K. Thakur (Sr. Scientist, NFSM), Dr. Ravi Shankar (AVRDC), Mr. R K Pandey (PRADAN), Mr. Umesh Rana, Ms. Garima (CInI) and others have participated in this event. The livelihood program aims for increased annual income of Rs. 1 lac 20 thousand to each beneficiary family within the period of five years.

खूंटी में आजीविका परियोजना

सर रतन टाटा ट्रस्ट और **सिनी झारखण्ड** के सहयोग से न०मा०जा० केन्द्र ने खूंटी जिला के 45 गाँवों में 2500 परिवारों की आजीविका/आय वृद्धि सम्बन्धी परियोजना प्रारंभ किया है। 10 मार्च को आयोजित परियोजना उद्घाटन समारोह को संबोधित करते हुए खूंटी जिला कृषि पदाधिकारी श्री एडमंड मिंज ने टीम भावना और स्पष्ट दृष्टि को सफलता की कुंजी बताया। इन्होंने न०मा०जा० केन्द्र के सहयोग से ग्रामीणों द्वारा बंजर भूमि में टमाटर, तरबूज उत्पादन की सराहना करते हुए किसानों को योजना आधारित सहयोग का आश्वासन दिया। श्री सतीश गिरिजा (मंत्री, न०मा०जा० केन्द्र) ने सम्बन्धित परियोजना को खादय सुरक्षा की दृष्टि से महत्वपूर्ण माना, क्योंकि झारखंडी किसान वर्षाश्रित खेती करते हैं और आर्थिक अभाव में गाँवों से पलायन कर जाते हैं। इन्होंने कहा कि उन्नत खेती तथा सम्बन्धित गतिविधियों द्वारा आयवृद्धि की काफी संभावना है। श्री शिरसेन्दु पॉल (टीम लीडर, टाटा ट्रस्ट–सिनी सेल) ने गतिविधियों की जानकारी देते हुए खूंटी जिला को प्राथमिकता के आधार पर सहयोग का आश्वासन दिया। श्री अयन देव (परि० समन्वयक, टाटा ट्रस्ट सिनी सेल) ने न०मा०जा० केन्द्र की साझेदारी में प्राप्त उपलब्धियों पर प्रकाश डाला, जिसमें 2050 परिवारों को खादय सुरक्षा, नकदी फसलों की खेती, सूकर पालन जैसी आयपरक गतिविधियों से जोड़ा गया। श्री रवीश चन्द्रा (जिला भूमि संरक्षण पदा०, खूंटी) ने किसानों के हित में लागू सभी सरकारी–गैरसरकारी योजनाओं के परस्पर समन्वय पर बल दिया। कार्यशाला में श्रीमती सुषमा लकड़ा (प्र०वि०पदा०, मुरहू) डा० एस० के० सिंह (पूर्व डीन, बि०कृ०वि०वि०), डा० आर०के० ठाकुर (वरिष्ठ वैज्ञानिक, एन०एफ०एस०एम०), डा० रविशंकर (ए०वी०आर०डी०सी०), सुश्री रीता सिंह (जे०एस०पी०एल०एस०), श्री आर०के० पांडेय (प्रदान) सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति शामिल हुए। इस नयी परियोजना द्वारा 5 वर्ष की अवधि में प्रत्येक लाभुक परिवार को 1 लाख 20 हजार रु० की वार्षिक आय तक पहुँचाने का लक्ष्य है।

Jharkhand State Lok Samiti Convention

On 20 March, **Jharkhand State Lok Samiti** has organized it's convention at Ranchi. Mr. Girija Satish (President, National Lok Samiti) has inaugurated the convention and reminded about the need of governance and justice for common citizens. He said that decentralization, accountability and transparency are the tools to be used for such long awaited reforms in our system responsible for services delayed or denied to people. We must have empowered PRIs & urban bodies, panchayat / block level courts for justice and a restructured IPC in order to establish a just society, he pointed out. The national president of Lok Samiti has talked about plight of rural India and land acquisition bill that discourages agriculture. Mr. Girija has supported an alternative model for development and exchange of ideas over the issue. The program was chaired by Mr. Satish Girija (President, JSLS) who expressed concern over poor performance of legislative, judiciary and executive organs of government that could neither control poverty, migration; trafficking, women atrocity and corruption, nor be able to earn people's faith in the system. Mr. K. G. Azad (LS national coordinator) has established relevance of Lok Samiti

झारखण्ड प्रदेश लोक समिति सम्मेलन

20 मार्च को राँची में आयोजित **झारखण्ड प्रदेश लोक समिति** के राज्य सम्मेलन का उद्घाटन राष्ट्रीय लोक समिति अध्यक्ष श्री गिरिजा सतीश ने किया। इन्होंने आम लोगों के लिए सुशासन और न्याय की उपलब्धता को महत्वपूर्ण मानते हुए विकेन्द्रीकरण, जिम्मेवारी और पारदर्शिता के आधार पर व्यवस्थागत परिवर्त्तनों की मांग किया। लोक समिति के राष्ट्रीय अध्यक्ष ने पंचायती राज संस्थाओं/शहरी निकायों के सशक्तिकरण, पंचायत/प्रखण्ड स्तर पर न्यायालयों के गठन और भारतीय दण्ड संहिता में सुधार को जरूरी बताया। इन्होंने प्रस्तावित भूमि अधिग्रहण बिल को कृषि क्षेत्र के प्रतिकूल मानते हुए विकास के वैकल्पिक मॉडलों की दिशा में विचारों के आदान–प्रदान पर बल दिया। सम्मेलन की अध्यक्षता कर रहे श्री सतीश गिरिजा (अध्यक्ष, झा०प्र०लो०स०) सरकार के तीनों अंगों–कार्यपालिका, विधायिका और न्यायपालिका की कार्यप्रणाली पर असंतोष जाहिर करते हुए कहा कि इस व्यवस्था में गरीबी, पलायन, मानव व्यापार, महिला अत्याचार और भ्रष्टाचार पर नियंत्रण नहीं हो पाने से लोगों को निराशा हुई है। श्री कौशल गणेश आजाद (राष्ट्रीय समन्वयक, लोक समिति) ने संगठन के फलक पर जनमुद्दों की चर्चा और समाधान विषयक विचारों को प्रासंगिक कहा। सम्मेलन में प्रख्यात

as a platform for common sharing and way out upon public issues. The convention has offered rich tribute to late Narayan Desai, a noted Gandhian scholar and passed resolutions for withdrawal of land bill, self-government by PRIs / urban bodies, wide-ranging reforms in judiciary & election system, price / subsidy support to farmers, complete ban on liquor and membership campaign for Lok Samiti. Mrs. Wilchen Ekka, Mr. Shankar Rana (coordinator, JSLS), Mr. Wazir Ahmad (vice-president, JSLS), Mr. Bhaagwat Ravidas, Mr. Abdus Subhan, Dr. Vishwanath Azad, Dr. C A Kumar, Mr. Gautam Sagar have expressed their views during the convention participated by 105 delegates from different districts / blocks of Jharkhand.

Family Saved by FCC

Family Counseling Center (FCC) by NBJK with support of **Central & State Social Welfare Boards** has prevented a marital dispute between Mannu (husband) and Priya (wife) in Hazaribag recently. On 9 January, Mannu (father- Sarjug Ram, village- Okni, police station & post- Sadar, Hazaribag) came at FCC and lodged a complaint against his wife Priya (father- late Mahadev Ram, village- Amarpur, post-Amarpur, police station- Padma, Hazaribag) for family dispute. He was taken seriously by the counselors and they have paid home visits to know detail about the case. It was found that the couple was married in the year 2008 conventionally and they have 3 children also. Mannu is a daily laborer while Priya is a housewife and they were sharing a joint family with parents and unmarried younger brother of Mannu also. Mannu's father works as a truck driver with CRPF in Maharashtra, once his mother went there and the brother was in home. He is an auto driver and shouldered family responsibility during those days. Due to bad company at work place, Mannu has developed liquor addiction and became suspicious for illicit relationship in between his wife and younger brother. The problem became so grave that Priya has tried to end her life and went to her parent's place. Mrs. Meera Gupta and Mr. Sanjay Kumar (Counselors) have called all family members on 24 January at FCC for a meeting. They talked to neighbors also. Mannu's mother stood by her daughter-in-law and charged the son for his liquor taking habit. It was decided collectively that Mannu and his wife Priya will have to leave the old joint family, they did so and live together peacefully with their children. ***(Original names & address have been changed).***

Capacity Building Training for VOs

NBJK has provided training to VOs of Bihar and Jharkhand on Accountancy & FCRA 2011 under the program of *Support for Small Initiatives* with help of **BFW, Germany.** The training was organized during 16-20 February for 47 VOs of both the states. Mr. Pravesh Singh (Asst. Manager-Finance, NBJK) has reminded the participants about fundamentals of accountancy and briefed them about vouchers like receipt, payment, contra & journal including cash book, bank book and bank reconciliation statement along with cash verification and currency denomination. He has focused upon income tax, TDS, purchase, stock, fixed/individual assets also. FCRA part of the training was covered by Mr. Sanjay Kr. Sinha (Manager-Finance, NBJK) who facilitated the VOs for renewal of FC Registration, on line return and other relevant practices required. Training on office management, documentation and government schemes was held for 93 NGOs from 12 to 19 March in a row. Mr. Rajiv Kr. Singh (program manager) has discussed over organizational profile, proposal writing, implementation strategy and presentation. Mr. Pravesh Singh has covered the topics like 12A, FCRA, TAN, PAN, society act, EPF, different registrations, TDS along with attendance, tour & leave / fixed asset, purchase & stock registers, project & general files etc. The trainees were provided detail information on various government schemes like Antyodaya, Annapurna, PDS, NRGA, NRLM etc. to facilitate social security among target beneficiaries in villages. Mr. Girija Satish (President, NBJK) has visited the trainees to attend a session on views sharing.

Focus upon Children & Families under CCCD

Plan India supported Child Centered Community Development (CCCD) program has put children at the helm of affairs by making 5 selected schools more friendly for them in villages of Churchu block, Hazaribag. Under the initiative *Support My School*, a lot of construction work is going on to install WASH & play facilities for children amid greenery through plantation. Toilets, rain water harvesting structure, boundary wall, playground, swings and hand washing points for these schools are in progress and children will enjoy them shortly. With the scheme of VWSS (Village Water Safety & Security), NBJK facilitated Gram Sabha meetings for approval of toilet construction in 12 villages. Also on site support for crop planning and pest management to 58 farmers in two villages was provided to ensure food security. Vulnerability assessment of families in 2 villages was conducted with

गाँधीवादी चिंतक स्व० नारायण देसाई को श्रद्धांजलि देने के साथ भूमि अधिग्रहण बिल के निरस्तीकरण, स्थानीय स्वशासन, न्यायिक / चुनावी प्रक्रिया में सुधार, किसानों की मदद, शराब पर पूर्ण प्रतिबंध तथा लोक समिति सदस्यता अभियान सम्बन्धी प्रस्तावों की मंजूरी दी गई। इस अवसर पर श्रीमती विलचेन एक्का, श्री शंकर राणा (समन्वयक, झा०प्र०लो०स०), श्री वजीर अहमद (अध्यक्ष, झा०प्र०लो०स०), श्री भागवत रविदास, श्री अब्दुलसुमान, डा० विश्वनाथ आजाद, डा० सी०ए० कुमार, श्री गौतम सागर ने विचार व्यक्त किया। सम्मेलन में राज्य के विभिन्न जिलों से 105 प्रतिनिधिगण शामिल थे।

प.प. केन्द्र ने बचाया परिवार

केन्द्रीय एवं झारखण्ड राज्य समाज कल्याण बोर्ड के सहयोग से न०भा०जा० केन्द्र द्वारा संचालित परिवार परामर्श केन्द्र, हजारीबाग ने हाल ही में मन्नू (पति) और प्रिया (पत्नी) के बीच हुए दाम्पत्य विवाद को सुलझाने में कामयाबी हासिल किया है। 9 जनवरी को मन्नू (पिता– सरजुग राम, मोहल्ला–ओकनी, थाना / पोस्ट– सदर, हजारीबाग) ने प०प० केन्द्र आकर अपनी पत्नी प्रिया (पिता–स्व० महादेव राम, ग्राम / पोस्ट–अमरपुर, थाना–पदमा, हजारीबाग) के खिलाफ पारिवारिक विवाद के सिलसिले में शिकायत दर्ज करायी थी। परामर्शियों ने इसे गंभीरतापूर्वक लेते हुए अधिक जानकारी हेतु गृहभ्रमण किया। यह पाया गया कि इस दम्पति का विवाह परंपरागत रीति–रिवाज के साथ लगभग 8 वर्ष पहले हुआ था और इनके तीन बच्चे भी हैं।

मन्नू एक दैनिक मजदूर है, जबकि प्रिया गृहणी है। इन लोगों का एक संयुक्त परिवार है, जिसमें मन्नू के माता–पिता और छोटा भाई भी शामिल है। चूँकि मन्नू के पिता महाराष्ट्र में सीआरपीएफ के लिए ट्रक ड्राइवर का काम करते है तो उसकी माँ एक दफे वहाँ गई हुए थी और छोटा भाई घर में ही था। मन्नू का छोटा भाई ऑटो ड्राइवर है और अपनी माँ की अनुपस्थिति में घर चलाने में मदद करता था। इस बीच अपने कार्यस्थल पर कुसंगति के कारण मन्नू शराब पीना शुरू कर चुका था। अपनी कमजोर दिमागी हालत में एक दिन उसे अपनी पत्नी और छोटे भाई के बीच अवैध संबंध होने का संदेह हुआ और घरेलू विवाद की शुरूआत हो गई। मामला इतना ज्यादा बढ़ गया कि प्रिया बच्चों के साथ मायके चली गई और उसने आत्महत्या करने का प्रयास भी किया था। 24 जनवरी को श्रीमती मीरा गुप्ता और श्री संजय कुमार (परामर्शीगण, प०प० केन्द्र) द्वारा मन्नू, प्रिया और परिवार के सभी सदस्यों को बातचीत करने के लिए आमंत्रित किया गया, पड़ोसियों से बात हुई। मन्नू की माँ ने अपनी बहू का पक्ष लिया और मन्नू को उसकी शराब की आदत के लिए जमकर कोसा। एक आम राय यह बनी कि मन्नू और प्रिया अब पुराने संयुक्त परिवार से अलग होकर रहेंगे। ऐसा ही किया गया और अब दोनों पति–पत्नी अपने बच्चों के साथ शान्तिपूर्वक रह रहे है। ***(नाम–पता परिवर्तित)***

संस्थाओं हेतु क्षमता वृद्धि प्रशिक्षण

झारखण्ड और बिहार की 47 स्वैच्छिक संस्थाओं हेतु न०भा०जा० केन्द्र द्वारा संचालित छोटी पहल मदद कार्यक्रम अन्तर्गत **बी०एफ०डब्लू० (जर्मनी)** के सहयोग से 16–20 फरवरी की अवधि में लेखा और विदेशी अनुदान अधिनियम पर प्रशिक्षण का आयोजन किया गया। श्री प्रवेश सिंह (सहायक प्रबंधक–वित्त, न०भा०जा० केन्द्र) ने प्रतिभागियों को लेखा सम्बन्धी मूल अवधारणाओं का स्मरण कराते हुए उन्हें विभिन्न प्रमाणकों यथा–प्राप्ति, भुगतान, कॉन्ट्रा, जर्नल के अतिरिक्त कैश बुक, बैंक बुक, बैंक रिकॉसिलिएशन विवरणी, नगदी सत्यापन, मुद्रा वर्गीकरण आदि का जानकारी दिया। उन्होंने आयकर, टी डी एस, खरीद–भंडारण, स्थायी / निजी परिसंपत्तियों पर भी चर्चा किया। विदेशी अनुदान अधिनियम सम्बन्धी सत्रों में न०भा०जा० केन्द्र के वित्त प्रबंधक श्री संजय कुमार सिन्हा ने सम्बन्धित निबंधन, ऑनलाइन रिटर्न तथा अन्य प्रासंगिक प्रावधानों की जानकारी दिया। 12–19 मार्च के दौरान 93 संस्थाओं हेतु कार्यालय प्रबंधन, दस्तावेजीकरण और सरकारी योजनाओं पर केन्द्रित प्रशिक्षण में श्री राजीव कुमार सिंह (कार्यक्रम प्रबंधक, छो०प०म० कार्यक्रम) ने संस्थागत प्रोफाइल, परियोजना प्रस्ताव लेखन, क्रियान्वयन रणनीति तथा प्रस्तुतिकरण पर जानकारी दिया। श्री प्रवेश सिंह ने 12 ए, एफसीआरए, टैन, पैन, सोसाइटी एक्ट, ईपीएफ, अन्य निबंधनों, टीडीएस के अलावा उपस्थिति / अवकाश / प्रवास / भंडार / खरीद पंजियों, परियोजना / सामान्य फाइल आदि के निर्माण और संधारण से प्रतिभागियों को अवगत कराया। उन्हें सरकारी योजनाओं जैसे–अन्नपूर्णा, अन्त्योदय, जनवितरण प्रणाली, नरेगा, स्वास्थ्य / आजीविका मिशन आदि से परिचित कराया गया ताकि ग्रामीण क्षेत्र में सामाजिक सुरक्षा के जरूरतमंदों को लाभ मिलने में आसानी हो। श्री गिरिजा सतीश (अध्यक्ष, न०भा०जा० केन्द्र) ने प्रशिक्षुओं से मिलकर उनकी कार्य सम्बन्धी कठिनाइयों पर चर्चा किया।

बच्चे और परिवार : खुशहाली के आधार

प्लान इंडिया के सहयोग से चुरचू प्रखंड (जिला–हजारीबाग) में संचालित बालकेन्द्रित सामुदायिक विकास कार्यक्रम अन्तर्गत 5 चयनित विद्यालयों को बाल मित्रवत बनाने का प्रयास किया गया है। ''सपोर्ट माइ स्कूल'' पहल द्वारा विद्यालयों में पानी, शौचालय, हाथ धोने की जगह, वर्षा जल के सदुपयोग, वृक्षारोपन, चारदिवारी, खेल सामग्री आदि की व्यवस्था की जा रही है। 12 गाँवों की ग्राम सभाओं ने सरकार के पास शौचालय निर्माण हेतु आवेदन दिया है। खाद्य सुरक्षा के लिहाज से 58 किसानों को जमीन अनुसार फसल बोने, उन्नत बीज, कीट निरोधकों की जानकारी और संसाधन उपलब्ध कराये गये हैं। लोगों की दु:स्थिति जानने के लिए 2 अन्य गाँवों के सभी परिवार की आजीविका सम्बन्धी विवरण एकत्र हुए हैं। कार्यक्रम के तहत जिला के 7 प्रखण्डों में लगभग एक लाख स्कूली बच्चों को जूते उपलब्ध कराये गये हैं तथा अन्य 7 प्रखण्डों में पुनः डेढ़ लाख बच्चों को जूते प्रदान

their livelihood profiling. CCCD has already distributed around 1 lac pairs of shoes among school children in 7 blocks and the process is going on to cover 1.5 lacs more school children of other 7 blocks in the district. On 19 March, Mr. Girija Satish (President, NBJK) has joined the shoes distribution ceremony held at Hindi Middle School, Pelawal (Hazaribag) and shared related work experience from Churchu that includes families, schools and surroundings to carry child rights. Mr. Rajkumar Prasad Singh (District Education Officer) has appreciated the *Shoes for Children* campaign by NBJK & Plan as an impetus to school going children in villages. There were 307 children (girls-166, boys-141) who got shoes on the day. Mr. Ranjan Kumar (branch manager, NBJK-Churchu) has presented a brief timeline and objective of the campaign before government officers, teachers and children.

करने का काम जारी है। 14 मार्च को हिन्दी मध्य विद्यालय, पेलावल (हजारीबाग) में जूता वितरण कार्यक्रम को संबोधित करते हुए श्री गिरिजा सतीश (अध्यक्ष, न०भा०जा० केन्द्र) ने बाल अधिकारों के प्रति परिवार, विद्यालय और पास–पड़ोस को सजग बनाने वाले बा०के०सा०वि० कार्यक्रम की जानकारी दिया। श्री राजकुमार प्र० सिंह (जिला शिक्षा पदाधिकारी) ने स्कूली बच्चों के लिए जूते उपलब्ध कराने वाले इस अभियान की तारीफ किया और कहा कि इससे उनकी उपस्थिति पर सकारात्मक प्रभाव पड़ता है। इस दिन 307 बच्चों (लड़कियों–166, लड़के–141) के बीच जूते बँटे। न०भा०जा० केन्द्र, चुरचू के शाखा प्रबंधक श्री रंजन कुमार ने सरकारी पदाधिकारियों, शिक्षक समुदाय और विद्यार्थियों के समक्ष जूता वितरण अभियान की संक्षिप्त रूपरेखा प्रस्तुत किया।

Dress for School Girls, RCC Events

24 girl students of Birsa High School, Deokuli (Ichak, Hazaribag) have received school dress from **GiveIndia** on 9 February under NBJK's Girls Education program that sponsors village girls for school education till matric board. Out of these 24 students, 7 are in class IX and 17 belong to class X. Likewise 68 sponsored girls from Roshni Dhruv High School, Churchu (Hazaribag) have obtained their dress on 21 March that covered 36 girls of class VI, 24 of class VII and 8 girl children of class VIII. All these girls are from poor families and this dress support has motivated them to carry on their schooling despite hurdles. This helps in reducing girls drop out rate in these schools as well as prevention of their early marriage. Apart from this, students from Remedial Coaching Centers (RCCs), run by NBJK with support of **Axis Bank Foundation**; have participated in a number of events organized at Sadar, Churchu and Chouparan blocks where these coaching centers are serving rural children. A sports competition on 27 January at Chouparan, a district level quiz competition on 29 January and drawing & essay competition for RCCs of Sadar and Churchu blocks were held on 14 and 21 February. Sports competition for RCCs of Churchu block took place on 14 March. Also a cluster level quiz program in all the three blocks was held during the month. Around 450 students from RCCs have participated in these events held during the quarter.

स्कूली बच्चियों को पोशाक और आरसीसी गतिविधियाँ

न०भा०जा० केन्द्र द्वारा संचालित बालिका शिक्षा कार्यक्रम अन्तर्गत बिरसा उच्च विद्यालय, देवकुली (इचाक, हजारीबाग) की 24 छात्राओं को **गिवइंडिया** द्वारा स्कूली पोशाक प्रदान किया गया। 9 फरवरी को कक्षा IX एवं X की क्रमशः 7 और 17 बालिकाओं के बीच पोशाक वितरण हुआ। 21 मार्च को रोशनी ध्रुव उच्च विद्यालय, चुरचू (हजारीबाग) की 68 छात्राओं (कक्षा VI– 36, VII – 24, VIII – 8) को स्कूली पोशाक उपलब्ध कराये गये। इन स्कूली बच्चियों की कमजोर घरेलू परिस्थितियों के बीच इस मदद से उनकी पढ़ाई में सहयोग मिला है, छीजन दर घटी है और बाल विवाह की संभावना पर विराम लगा है। दूसरी ओर **एक्सिस बैंक फाउंडेशन** की मदद से सदर, चूरचू और चौपारण प्रखण्डों के ग्रामीण क्षेत्र में कक्षा VIII, IX और X के विद्यार्थियों हेतु संचालित रिमीडियल कोचिंग केन्द्रों द्वारा इस तिमाही में अनेक गतिविधियों का आयोजन किया गया। 27 जनवरी को चौपारण में खेलकूद प्रतियोगिता, 29 जनवरी को जिला स्तरीय क्विज प्रतियोगिता, 14 और 21 फरवरी को सदर–चुरचू प्रखण्डों में चित्रकारी तथा निबंध प्रतियोगिता, 14 मार्च को चुरचू प्रखण्ड में खेलकूद प्रतियोगिता के साथ तीनों प्रखण्डों में संकुल स्तरीय क्विज प्रतियोगिताओं की धूम मची रही और प्रतिभागियों को पुरस्कार मिले। गतिविधियों में कुल 450 छात्र–छात्राओं ने भाग लिया था।

CASE STUDY

Binoba Arogya Evam Lok Shikshan Kendra: An Attestation

Binoba Arogya Evam Lok Shikshan Kendra, Islampur (Nalanda, Bihar) is an organization established in 1987 and working with the alliance / networking of NBJK since last 20 years. Mr. Vinod Sharma is the secretary who heirs a family committed to Gandhian values and contributed to freedom movement. He started BALSK with ideology of service and realized the dream of his father, a follower of Sant Vinoba and Bhoodan movement. ***I found NBJK as an inspiring organization with matching basics and we have developed good understanding to work together for people,*** says Vinod Sharma. BALSK works over the issues like education, health, livelihood, gender, environment & communal harmony in 5 blocks of Nalanda and Gaya districts of Bihar. It contributed to rehabilitation of flood victims in remote areas of Supoul district (Year 2008) and led CBR program for PWDs / PWMIE in villages locally. It has implemented various pro-women programs like health care for mothers / children, livelihood promotion and gender equality noticed by the community, government and donors. Reputed agencies like Misereor, Pathfinder, CAPART, DFID, CASA, and BFW have supported it. The VO has ensured membership of Planning Commission, GiveIndia, Credibility Alliance, BVHA, Swaichhik Manch and Lok Samiti. It has shaped a good team of workers, developed infrastructure and earned mass support with a purpose. NBJK has introduced BALSK to an innovative social arena, made it familiar with standard practices of voluntary sector and linked with fellowship / programs or other support to achieve sustainability.

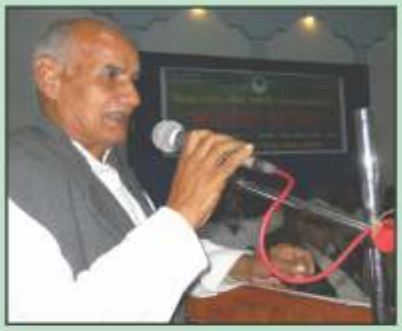

विनोबा आरोग्य एवम् लोक शिक्षण केन्द्र : एक तसदीक

इस्लामपुर (जिला–नालंदा, बिहार) में **विनोबा आरोग्य एवम् लोक शिक्षण केन्द्र** एक स्वयंसेवी संस्था है, जिसकी स्थापना 1987 में हुई थी और पिछले 20 वर्षों से यह न०भा०जा० केन्द्र के सहयोग / नेटवर्किंग में काम कर रही है। इसके संस्थापक सचिव श्री विनोद शर्मा हैं, जिन्हें गाँधीवादी मूल्यों के प्रति समर्पित और स्वतंत्रता संग्राम में भाग ले चुके परिवार की विरासत मिली है। इन्होंने सेवा भाव से वि०आ०लो०शि० केन्द्र शुरू किया था, जो भूदान आंदोलन में सक्रिय और संत विनोबा के अनुयायी रहे इनके पिता के प्रति एक श्रद्धांजलि भी है। ***"मैंने न०भा०जा० केन्द्र को हमेशा एक प्रेरणा स्त्रोत के रूप में देखा है और वैचारिक समानता की वजह से हमारे बीच जनहित के कार्यों पर एक समझदारी विकसित हुई है"***, विनोद शर्मा बताते हैं। यह संस्था शिक्षा, स्वास्थ्य, आजीविका प्रोत्साहन, नारी सशक्तिकरण, पर्यावरण, साम्प्रदायिक सदभावना जैसे मुद्दों पर नालंदा / गया जिला के 5 प्रखण्डों में काम करती है। इसने वर्ष 2008 में आयी भयंकर बाढ़ के दौरान सुपौल जिला (बिहार) के दुर्गम क्षेत्रों में राहत तथा मूल कार्यक्षेत्र में मानसिक रोगियों / निःशक्तों की चिकित्सा, संगठन और समुदाय आधारित पुनर्वास का काम लगातार किया है। संस्था द्वारा मातृ–शिशु स्वास्थ्य सेवा, महिला आजीविका और लैंगिक समानता पर उल्लेखनीय कार्य हुए हैं, जिसे सरकार / दाता संस्थाओं और समुदाय की सराहना मिली है। अनेक प्रतिष्ठित दाता संस्थाओं–मिजेरियेर, पाथफाइंडर, कपार्ट, डी.एफ.आइ.डी, कासा, बी.एफ.डब्ल्यू. द्वारा इसे आर्थिक सहयोग प्राप्त हुआ है। योजना आयोग, गिवइंडिया, क्रेडिबिलिटी अलायंस, बी.वी.एच.ए. स्वैच्छिक मंच, लोक समिति आदि की उच्च स्तरीय समितियों में सदस्यता मिलने से संस्था की विश्वसनीयता में वृद्धि हुई। आज वि०आ०लो०शि० केन्द्र के पास सक्षम कार्यकर्त्ताओं की एक टीम, आधारभूत ढ़ाँचा और समुदाय में अच्छी छवि जैसे साधन है, जो इसके काम को आसान बनाते हैं। न०भा०जा० केन्द्र ने इस संस्था को एक नयाचारी सामाजिक क्षेत्र से परिचित कराया, मानक कार्यप्रणाली के विकास में सहयोग दिया और फेलोशिप / कार्यक्रमों से जोड़कर क्षमतावान बनाया है।

परिकल्पना : **श्री गिरिजा सतीश**
प्रस्तुति : **विनय भट्ट**
नव भारत जागृति केन्द्र, संयोजन कार्यालय,
ग्राम – अमृतनगर, पो. कोर्रा,
जिला हजारीबाग (झारखण्ड) द्वार प्रकाशित
दूरभाष: 06546 – 263332, +91 9835751159
ई मेल: nbjkco@gmail.com; vinaynbjk@gmail.com

To,

KALRA 98357 11566

For Private Circulation Only